SHRI BHUBANESWAR KALITA: What is the allocation of funds for the year 1992-93 for the N.E.C.? What is the State-wise allocation for different schemes?

SHRI S. B CHAVAN: There is a public document which is being published. If you refer to the Budget, Budget papers, you can get this information.

SHRI HIPHEI; Madam, the Home Minister is stating of those schemes which are of national character. Now, for a State like Mizoram we can never have schemes (hat have a regional character because Mizoram is a border State...

THE DEPUTY CHAIRMAN: If you are brief, then I can allow. I think he has already answered your question. *(Interruption)* ... It is being answered already Question No. 205 Dr. Bapu Kaldate.

लघु उद्योग एककों को कोयले की सप्लाई के लिए वैगनों का उपलब्ध न होना

*205. डा० बापू कालदाते : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तरी भारत में लघु उद्योग एककों को कोयले की सप्लाई के लिए अपेक्षित संख्या में वैगन उपलब्ध नहीं कराये जाते हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) सरकार द्वारा लघु उद्योग एककों की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

(क) और (ख) चूंकि कुल मिलाकर कोयले की मांग, उस की उपलब्धता और रेल रिवहन क्षमता से कहीं अधिक है तथा ताप बिजली घर, इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, रेलवे, आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कोयले की सप्लाई को उच्चतर प्राथमिकता दी जाती है, इसलिए गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्र के उद्योगों, जिनमें उत्तर भारत के लघु उद्योग एकक भी शामिल हैं, को उनके कार्यक्रम के अनुसार कोयले की सप्लाई प्राप्त नहीं हो रही है ।

(ग) कोयला मंत्रालय ने सभी कोयला कपनियों को अनुदेश दिये हैं कि लघु उद्योग एककों सहित गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्र के सभी उपभोक्ताओं को कोयले की कम से कम 50 प्रतिशत संबद्ध मात्रा, रेल अथवा सड़क मार्ग द्वारा सप्लाई की जाए ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Threat of armed struggle by Ladakhi Budhists

*206. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Ladakhi Buddhists have been agitating for an autonomous State for Ladakh and have threatened to resort to armed struggle to achieve the objective;

(b) if so, what are the details in this regard; and

(d) what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): (a) to (c) The Ladakh Buddhist Association (LBA) was demanding grant of Union Territory Status which was dropped by them after an agreement on 29th October, 1989, reached in the presence of the then Union Home Minister. As a part of the Agreement, the Government of Jammu and Kashmir, among other items, also promised to examine and consider the demand for an autonomous District Hill Council and to formulate an integrated tribal sub-plan within a time-frame.